Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 19-12-2006

Participants : Bishnoi Shri Jaswant Singh

>

Title: Issue regarding future trading in the country.

श्री जसवंत सिंह बिश्नोई (जोधपुर) : महोदय, मैं आज यहां एक बहुत ही महत्वपूर्ण मामला जो वायदा बाजार से संबंधित है, उठाना चाहता हूं। वायदा बाजार के कारण बाजार के भाव बहुत ज्यादा बढ़ चुके हैं, मैं आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में यह बात लाना चाहता हूं। वायदा बाजार दो-तीन वर्ा पूर्व शुरू हुआ। जब सन् 2003-04 में जहां चने की पैदावार सत्तावन लाख बीस हजार मीट्रिक टन थी, तब वायदा बाजार में एक किलो चना भी नहीं बिका, लेकिन जब से वायदा बाजार आया, तब से चने की पैदावार सिर्फ छप्पन लाख पचास हजार मीट्रिक टन हुयी, लेकिन मार्केट में सौदा हुआ है, जो आंकड़े सीएमआईई, मुंबई ने दिए हैं, उसके अनुसार ग्यारह करोड़ छप्पन लाख सैंतीस हजार एक सौ साठ मीट्रिक टन का सौदा हुआ है। जहां पैदावार नहीं के बराबर हो रही है, लेकिन सौदे इतने ज्यादा हो रहे हैं, जबकि कोई डिलेवरी नहीं हो रही है। डिलेवरी नहीं होने से बाजार के भाव दिन-रात बढ़ रहे हैं। यह खास तौर पर किसानों और व्यापारियों का मामला है। एनसीडीएक्स आने के बाद किसान और व्यापारी आत्महत्या करने की स्थिति में हैं। आपके माध्यम से सरकार के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि जो वायदा बाजार में सौदे हो रहे हैं, तो उसमें डिलेवरी जरूरी करें। डिलेवरी नहीं होगी, तो जो दाल के भाव जो छप्पन से साठ रूपए हो रहे हैं, अगर डिलेवरी नहीं होगी, तो ये भाव और बढ़ जाएंगे। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि सरकार इस पर ध्यान दे। जो महंगाई बढ़ रही है, उसका एकमात्र कारण वायदा बाजार है। उस बाजार पर आप थोड़ा प्रतिबंध लगाएं।